VKG-27

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - II)

GENERAL STUDIES (Test - II)

मॉड्यूल - II / Module - II

DTVF/17–M–GS2

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Arvind Pratap Singh

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date):

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

0	5	0	6	0	7	3

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): अरविंद

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न हैं।

Evaluation Analysis

Category	Grade
MARKS	54 /250
Introduction	B
Context	B
Language	C
Content	C+
Conclusion	B
Structure	C+
Current Link / Examples	—

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

- सभी प्रश्नों को हल करें।
- विषय वस्तु को और उन्नत करें।
-
-

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1. "भारतीय लोकतंत्र का चौथा स्तंभ अब सत्य को खोजने की बजाय व्यावसायिक हितों से निर्देश प्राप्त कर रहा है।" उपर्युक्त कथन का 'पेड-न्यूज़' की पृष्ठभूमि में आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये तथा जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 के संबंध में अपने सुझाव भी दीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The fourth pillar of Indian democracy is now being guided by commercial considerations rather than pursuit of truth". Critically examine the above statement in the background of paid news and also add your suggestions in reference with the Representation of the People's Act, 1951. (250 words) 12.5

विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के साथ-साथ मीडिया को लोकतंत्र के स्तम्भों के रूप में कल्पित किया गया है। भारतीय संविधान के अनु॰ 19 (भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता), जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 और स्वनियमन की आज़ादी जैसे प्रावधानों के माध्यम से मीडिया की स्वायत्तता सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। परन्तु उदारीकरण के बाद से ऐसा प्रतीत होने लगा है कि भारतीय लोकतंत्र में व्यावसायिक हितों की ओर भी झुकाव हुआ है।

'पेड-न्यूज़' इसी प्रवृत्ति का परिचायक है। 'पेड-न्यूज़' का अर्थ है धन या अन्य किसी प्रकार के लाभवश सत्य को छिपाकर पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग। निर्वाचन के सम्बन्ध में सम्बंध में पेड न्यूज़ विशेष चर्चा में रही है।

इस प्रवृत्ति के बढ़ने के प्रमुख कारण

संक्षिप्त लिखें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

निम्नवत हैं:- 1. व्यावसायिक हित - बड़े व्यावसायिक घरानों द्वारा भारतीय मीडिया का नियंत्रण

2. मीडिया में बढ़ती एकाधिकारवादी प्रवृत्ति

3. राजनेताओं - व्यापारियों से सांठगांठ।

4. नैतिकता का ह्रास

5. प्रशिक्षण का अभाव

6. मीडिया क्षेत्र में स्वनियमन की व्यवस्था

पेड न्यूज के प्रभावों को भी लिखें, जैसे- मीडिया की विश्वसनीयता कम होना, लोकतांत्रिक सिद्धान्तों का कमजोर होना

इस परिस्थिति को सुधारने का उपाय

① नियामक व्यवस्था का गठन - जिसमे सरकार के साथ - साथ मीडिया से जुड़े हितधारकों का प्रतिनिधित्व हो।

② दण्ड के प्रावधान स्पष्ट व कठोर हों।

③ पेड न्यूज के मामलों में मीडिया के साथ - साथ सम्बंधित व्यापारी व राजनेता को भी दण्ड मिले।

④ विज्ञापन व समाचार में स्पष्ट अंतर करने के प्रावधान।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 के सम्बंध में सुझाव

(1) संपत्ति व अपराधों के ब्यौरों की तरह 'पेड न्यूज' के स्पष्ट प्रावधान हो।

(2) चुनावी मुद्दों पर विचार-विमर्श हो पर एग्जिट पोल के साथ-साथ ओपीनियन पोल पर भी नियंत्रण हो। अन्यथा मतदाता प्रभावित।

(3) निजी मीडिया हाउस के पत्रकारों को संवेदनशील बनाया जाए।

(4) निर्वाचन आयोग में शिकायत निवारण सेल बनाकर जनता से शिकायतें आमंत्रित की जाएं।

वस्तुतः भारतीय लोकतंत्र की गाड़ी को सुचारु रूप से चलाने के लिए चारों पहियों का समन्वय आवश्यक है। उपरोक्त चुनौतियों का सामना कर स्वयं मीडिया अपने गौरवशाली अतीत को जारी रख सकता है।

——x——

जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 के बारे में संक्षेप में चर्चा करें।

5

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1	0.25	—	0.25	—
Grade	B	B	C	C	—	B	—

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

2. यद्यपि भारत 'ब्राज़ील घोषणापत्र' का हस्ताक्षरकर्त्ता देश है, फिर भी यहाँ सड़क दुर्घटनाओं को राष्ट्रीय संकट कहा जा सकता है, उदाहरण सहित समझाइए। मोटर वाहन (संशोधन) विधेयक, 2016 का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Though India is a signatory to 'Brasilia Declaration', the road accidents can be termed as national crisis, illustrate. Examine the Motor Vehicle (Amendment) Bill, 2016. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सड़क दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौतों के मामले में भारत का पूरी दुनिया में पहला स्थान है। लगभग 1 लाख से अधिक लोग प्रतिवर्ष सड़क दुर्घटनाओं की बलि चढ़ जाते हैं। 'ब्राजील घोषणापत्र' का हस्ताक्षरकर्ता देश होने के बावजूद भारत इन दुर्घटनाओं में कमी नहीं ला सका है।

[margin: आंकड़ों को जांच कर लें।]

[margin: ब्राजील घोषणा पत्र क्या है? संक्षेप में चर्चा करें।]

भारत में सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण निम्नवत हैं-

1. 5% सड़कों पर ही 60% यातायात का भार (विशेषकर राष्ट्रीय राजमार्गों पर)
2. ओवर स्पीडिंग (40% दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार)
3. एल्कोहल का सेवन, रोड-रेज
4. रोड की डिजाइनों में कमी
5. ड्राइविंग प्रशिक्षण का अभाव। प्रायः लाइसेंस भ्रष्टाचार के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1 लाख से अधिक मौतें प्रतिवर्ष - इस आँकड़े की तुलना मलेरिया, एड्स जैसी बीमारियों से करें तो इसे भी राष्ट्रीय संकट कहा जा सकता है। इसका एक प्रमुख कारण यह भी है कि सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले व्यक्ति प्रायः युवा व परिवार के आय-अर्जक होते हैं। इस प्रकार यह सामाजिक क्षति होती है।

मोटर वाहन (संशोधन) विधेयक 2016 -

1. इस क्षेत्र के लिए नियामक का प्रस्ताव
2. दुर्घटनाओं में कमी लाने का लक्ष्य
3. रोड डिजाइनिंग में सुधार
4. जुर्माने व दण्ड में बढ़ोत्तरी
5. हाईवे पर डेडिकेटेड सेवाओं का गठन जैसे पुलिस व स्वास्थ्य।

उपरोक्त प्रावधानों से निश्चय ही होने वाली दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। पर इसके साथ-साथ तकनीकी

विधेयकों की स्पष्ट चर्चा करें - · मोटरयान दुर्घटना निधि की स्थापना · दोषपूर्ण वाहनों की वापसी

चुनौतियों को भी लिखें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

का प्रयोग, जागरूकता-अभियान व प्रशिक्षण जैसे सामाजिक प्रयासों की भी आवश्यकता है। ताकि हम जनसांख्यिकीय लाभांश को सड़क दुर्घटनाओं की बलि न चढ़ने दें।

——×——

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	→	0.25	
Grade	B	C	C	C	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3. हाल ही में भारतीय सेंसर बोर्ड फिल्मों की पूर्व-सेंसरशिप के लिये चर्चा में रहा। क्या इस तरह की सेंसरशिप स्वामित्व (कॉपीराइट) और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करती है? इसके विवादित पक्षों पर प्रकाश डालिये तथा भारतीय सिनेमा की समग्रता तथा भारत की विशिष्ट संस्कृति के संबंध में अपने सुझाव दीजिये। (250 शब्द) 12.5

Recently censor board of India was in news for pre censorship of films. Is pre censorship violates copyrights and fundamental rights. Highlight the areas of controversy and put your suggestions for integrity of Indian cinema and ethnicity of Indian culture. (250 words) 12.5

सेंसरशिप सिद्धांत रूप में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक मर्यादाओं के बीच संतुलन का वैधानिक प्रयास है। परन्तु भारतीय समाज की विविधता और परम्परा-आधुनिकता के मध्य के तनाव ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। फिर वैधानिक बोर्ड के अलावा निजी संगठनों और समूहों की तरफ से भी सेंसरशिप के प्रयास दिखाई दिए हैं।

भारत में सेंसरशिप की शुरुआत की पृष्ठभूमि को संक्षेप में लिखें।

इस प्रकार के पूर्व-सेंसरशिप के प्रयास वास्तुतः अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (अनु० 19(1)) और विशेषकर सृजनात्मक अभिव्यक्ति के विरुद्ध है। इस तरह के प्रयास मौलिक अधिकारों के साथ-साथ निजी कॉपीराइट का भी एक सीमा तक उल्लंघन करते है।

इन प्रयासों में सत्ताधारी दल की

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

विचारधारा का दबाव, व्यक्तिगत पूर्वाग्रह, धार्मिक संस्कार जैसे कारक भी महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। आज के समय में जब इण्टरनेट पर अभिव्यक्ति की असीमित आजादी का वातावरण बन रहा है तो ऐसे प्रयासों को विशेष आलोचना का सामना करना पड़ता है।

निजी समूहों द्वारा भी पद्मावती फिल्म का सेट जलाना या बिना किसी सरकारी आदेश के पाकिस्तानी कलाकारों वाली फिल्मों का विरोध भी इस सम्बंध में उल्लेखनीय है।

अतः यह आवश्यक है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय और बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेशानुसार सेंसर-बोर्ड अपनी सामाजिक भूमिका का निर्वहन करते हुए भी पूर्व सेंसरशिप से बचे और फिल्मों की U, A, U/A जैसी श्रेणियों के वर्गीकरण को महत्त्व दे। इस प्रक्रिया से जुड़े लोगों को बदलते समाज को भी ध्यान में रखना होगा।

——X——

कैसे यह कॉपीराइट का उल्लंघन है स्पष्ट करें?

सुझावों को भी बताएँ।

3 1/2

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1½	1	0.25	—	0.25	—
Grade	B	C	C	c	—	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. "संविधान संसद को शक्तियाँ और उन्मुक्तियाँ प्रदान करता है तथा संसद संविधान में संशोधन कर सकती है।" इस कथन को पृष्ठभूमि में रखते हुए क्या आप सोचते हैं कि संसद के कामकाज के नियंत्रण तथा इसे सुगम बनाने के लिये एक निगरानी आयोग की आवश्यकता समय की माँग है? (250 शब्द) 12.5

"The Constitution provides powers and immunities to the Parliament and the Parliament can amend the Constitution". In the background of above statement, do you think a monitoring commission is the need of the hour to control and facilitate the functioning of the Parliament? (250 words) 12.5

भारतीय राजव्यवस्था में संविधान सर्वोच्च है और संविधान प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत ही विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका कार्य करती है। संसद की संविधान संशोधी शक्तियों के सम्बंध में हमारी व्यवस्था ने एक लम्बी दूरी तय की है, जिस यात्रा में निम्न वादों को मील का पत्थर माना जा सकता है - 1. सज्जन सिंह बनाम राजस्थान राज्य (1950)
2. चम्पाकम दोराईराजन वाद (1951)
3. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य (1967)
4. केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य (1973)
5. मिनर्वा मिल्स वाद (1980)

[तथ्यों की जांच कर लें।]

आज स्थिति यह है कि संसद संविधान में ऐसे सभी संशोधन कर सकती है जो आधारभूत ढाँचे को प्रभावित न कर सकते हों। 'न्यायिक पुनरीक्षा' की शक्ति आधारभूत ढाँचे का अंग है। इस पृष्ठभूमि में निगरानी आयोग की

[संसदीय विशेषाधिकार क्या हैं? संबंधित तथ्यों के साथ चर्चा करें।]

[Art-105 ↳ बोलने की स्वतंत्रता]

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

स्थापना से संभव है कि संसद व न्यायपालिका में संवाद-स्थापना हो, विशेषज्ञों की निगरानी में वादों पर विचार हो और नए परिवर्तनों की प्रतिक्रिया में नहीं अपितु उससे पूर्व ही संसद विधि निर्माण में सक्षम हो।

परन्तु मेरी राय में ऐसी निगरानी के नकारात्मक परिणाम अधिक होंगे -

1. शक्ति के पृथक्करण के सिद्धांत के विरुद्ध
2. संसदीय कार्यवाही में बाधा
3. स्वयं संविधान में ही संसद की दी गई भूमिका के विरुद्ध
4. यह एक अलग सांविधिक निकाय बन जाएगा।
5. संसद में जनता के विश्वास में कमी।

इस प्रकार ऐसे निगरानी आयोग की स्थापना से बेहतर होगा कि संसद व न्यायपालिका अपनी-अपनी सीमाओं को जानकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपना योगदान करें ताकि न्यायिक नियुक्ति आयोग सम्बंधी संशोधन

निगरानी आयोग क्यों आवश्यक है स्पष्ट उल्लेख करें?

संविधान में किए गए रक्षक उपायों को भी बताएँ।
- संसदीय समितियाँ
- CAG
- चुनाव आयोग

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

ऐसी समस्या पुनः लोकतंत्र के सम्मुख न आए। भारतीय संसद और न्यायपालिका परिपक्व संस्थाएं हैं और परस्पर सम्मान व समन्वय से वे सभी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हैं।

—— X ——

(2)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	0.5	0.5	0.25	—	0.25	
Grade	B	D	D	C	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. कुछ राज्यों और क्षेत्रों को प्राप्त विशेष दर्जा अधिक जनांदोलनों को भड़काने का काम करता है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

The special status to some states and certain regions provoke more mass agitation. Critically examine. (250 words) 12.5

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370
और अनु० 371 में कश्मीर सहित असम, गोवा,
मणिपुर, मिजोरम, आंध्र-कर्नाटक, विदर्भ-मराठवाड़ा
जैसे क्षेत्रों व प्रदेशों के लिए विशेष प्रावधान
करता है। इन प्रावधानों से इन्हें स्वायत्तता
और केंद्रीय सहायता मिलती है।

ऐसे प्रावधानों के सकारात्मक और
नकारात्मक दोनों प्रकार के परिणाम सामने आए
हैं।

सकारात्मक

1. विश्वास-बहाली
2. क्षेत्रीय विकास
3. राज्य के साथ-साथ केंद्रीय मदद
4. क्षेत्रीय व जनजातीय क्षेत्रों के हितों की रक्षा
   (जैसे अनुसूची 5 और 6 के तहत)

अन्य बिन्दुओं की चर्चा करें।

• केन्द्रीय सहायता का बड़ा हिस्सा प्राप्त लेना

नकारात्मक परिणाम

① क्षेत्रीयतावादी प्रवृत्तियों का उभार

उत्पाद शुल्क में [illegible] रियायत

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

2. स्वायत्तता के माध्यम से अलगाववादी प्रवृत्तियों को मार्ग मिलता है (जैसे नागालैंड व मणिपुर)

3. लाभों को देखते हुए अन्य क्षेत्रों में भी ऐसी प्रवृत्ति देखने को मिलती है, जैसे गोरखालैंड की माँग।

4. ऐसे क्षेत्रों में जातीय संघर्ष की संभावना जैसे बृहत्तर नगालिम की माँग।

5. क्षेत्रीय राजनैतिक दलों का उदय, जो राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से इतने प्रभावी सिद्ध नहीं हुए हैं।

अतः आवश्यक है आवश्यकताओं का समुचित अध्ययन करने के बाद ही ऐसे प्रावधान किए जाएं। ये प्रावधान अस्थायी स्वरूप के हों और जनता की आशंकाओं के निर्मूल होने पर प्रावधान समाप्त कर दिए जाएं। जनता की अभिवृद्धि के लिए किए गए विकास कार्यों की समय-समय पर समीक्षा की जाए और इन्हें

(Margin remark: सम्प्रदायवाद एवं रूढ़ीवाद की भावना का विकास)

(Margin remark: प्रभावी निष्कर्ष लिखें।)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जनता के समक्ष रखा जाए (संसद के माध्यम से)। विशेष राज्यों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा का साधन न बनने दिया जाए।

——— x ———

5½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1½	0.25	—	0.25	—
Grade	B	B	C	C	—	B	—

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (a) आम लोगों को त्वरित न्यायिक सेवाएँ प्रदान करने के लिये अखिल भारतीय न्यायिक सेवा का गठन समय की आवश्यकता है? 6

The creation of All India Judicial Services (AIJS) is the need of the hour for providing fast judicial services to the common people. 6

संविधान के अनु॰ 312 के अनुसार राज्यसभा के माध्यम से अखिल भारतीय सेवाओं का सृजन किया जा सकता। न्यायपालिका पर बढ़ते काम के बोझ, प्रतिभाओं के पलायन, भाई-भतीजावाद के आरोपों, उच्च पदों की विशिष्ट आवश्यकताओं और एकीकृत न्यायपालिका के स्वरूप को और स्थिर रखने के लिए आज अखिल भारतीय न्यायिक सेवा का गठन समय की आवश्यकता है। इसके माध्यम से न्यायिक सेवा के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

ऐसी सेवा के गठन से जनपद स्तरीय पदों से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक अखिल भारतीय स्वरूप का निर्माण होगा और नियुक्ति में पारदर्शिता आएगी।

न्यायिक नियुक्ति आयोग के विवाद को देखते हुए संसद द्वारा प्रयास के बाद संघ

अन्य लाभों को लिखें जैसे —
· संघीय ढाँचा मजबूत होगा
· एक-समान सेवा-शर्तें को सुनिश्चित करेगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लोकसेवा आयोग जैसी संस्था के माध्यम से इसका चयन कर आम लोगों तक न्याय पहुँचाने में भारतीय न्यायपालिका को सक्रिय बनाया जा सकता है।

—x—

चुनौतियों को भी बताएँ।

1½

(b) क्या आप सोचते हैं कि प्रशासनिक न्यायाधिकरणों में अंधाधुंध बढ़ोतरी न्यायिक प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न कर रही है? चर्चा करें। 6.5

Do you think mushrooming of administrative tribunals is creating a hurdle in judicial processes? Discuss. 6.5

न्यायालयों में बढ़ते कार्य के बोझ और विशेष क्षेत्रों की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए न्यायाधिकरणों की परम्परा प्रारम्भ हुई। आज सेवा सम्बंधी मामलों से लेकर, शेयर मार्केट, दूरसंचार और पर्यावरण तक न्यायाधिकरणों की व्यवस्था है। ऐसे न्यायाधिकरणों में प्रशासनिक और न्यायिक दोनों प्रकार के

संक्षेप में न्यायाधिकरण के कार्यों को लिखें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

न्यायाधिकरण शामिल है।

एक तरफ तो इनसे विशेषज्ञ सेवाएं, कार्यों के बोझ का बंटवारा, अंतरविभागीय समन्वय. संसद की भूमिका पर भी कम बोझ तथा बदलते ~~शासन~~ समय के अनुसार शासन व्यवस्था को चलने में मदद मिलती है।

तो दूसरी तरफ इनसे संसद व न्यायपालिका के कार्य में हस्तक्षेप होता है, विकास गतिविधियों पर अनावश्यक अवरोध उत्पन्न होते हैं (जैसे- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) और कभी-कभी न्यायिक प्रक्रिया में बाधा आती है क्योंकि निहित स्वार्थ वाले तत्त्व विभिन्न संस्थाओं के अलग-अलग अधिकार क्षेत्रों का लाभ उठाते हैं।

इस प्रकार न्यायाधिकरणों ~~के अवसरों~~ की आवश्यकता को देखते हुए उपरोक्त चुनौतियों का समाधान कर इन्हें और सार्थक बनाया जा सकता है।

——x——

समस्याओं की और स्पष्ट चर्चा करें

- इनके निर्णय के विरुद्ध HC एवं SC में अपील का बढ़ना
- पर्याप्त संख्या में कार्मिकों का कम होना

(2)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	0.5	0.5	0.35	-	0.25	
Grade	B	B	B	C	-	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

7. चुनावों के वित्त पोषण से संबंधित पारदर्शिता में सुधार के संदर्भ में किये गए हालिया उपायों पर समालोचनात्मक टिप्पणी कीजिये तथा राजनीतिक दलों की बेहतर जवाबदेही के लिये कौन-से कदम उठाए जाने चाहिये? (250 शब्द) 12.5

Critically comment on the recent measures taken to improve transparency in electoral funding and what steps should be taken for better accountability of political parties. (250 words) 12.5

एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव सम्बंधी भ्रष्टाचार से ही अधिकांश भ्रष्ट आचरण पैदा होते हैं। इसलिए पिछले वर्षों में जिस प्रकार हमारी व्यवस्था ने बाहुबल के प्रभाव को नियंत्रित किया है वैसी ही तत्परता से आज धनबल को नियंत्रित करने की आवश्यकता है।

प्रभावी भूमिका लिखे?

चुनावों के वित्त पोषण से सम्बंधित पारदर्शिता में सुधार के संदर्भ में हाल में निम्न उपाय किए गए -

चुनौतियों की भी चर्चा करें

1. निर्वाचन बॉण्डो का प्रारम्भ - इनके माध्यम से कारपोरेट वर्ग बैंकों में धन जमा कर बॉण्ड प्राप्त कर सकते हैं और इन्हें राजनीतिक दलों को दे सकते हैं;
   लाभ - काले धन के प्रयोग में कमी
   पारदर्शिता में वृद्धि

अन्य लाभों को बताएं।

कुल नगदी प्राप्त करने की कोई उपरी सीमा नहीं

2. राजनैतिक दलों को अब 2000 रु० से अधिक

RTI के दायरे से बाहर

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

के चन्दे की राशि का हिसाब रखना पड़ेगा। (पहले यह सीमा बीस हजार रु० थी)।

राजनैतिक दलों की बेहतर जवाबदेही के लिए निम्न उपाय भी किए जा सकते हैं:-

1. राजनैतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र की स्थापना के प्रयास।
2. चुनाव सम्बंधी पर्यवेक्षण को विस्तारित करना। अभी लगभग सभी बड़े प्रत्याशी प्रस्तावित सीमा से अधिक खर्च करते हैं।
3. सीमित रूप में राज्य वित्तीयन।
4. राजनैतिक दलों को सूचना के अधिकार के अंतर्गत लाना।
5. राजनैतिक नेताओं और पदाधिकारियों का अंतर करते हुए कार्यपालिका सदस्यों की संपत्ति का तुलनात्मक अध्ययन समय-समय पर करना।

इन प्रयासों से राजनैतिक दलों की जवाबदेही बेहतर होगी।

—x—

निष्कर्ष प्रभावी लिखें।

(5)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1	0.25	x	0.25	x
Grade	B	B	C	C	x	B	x

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

8. यह देखा गया है कि काला धन खपाने के लिये अचल संपत्ति मुख्य क्षेत्रों में से एक है। आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये कि कैसे हाल ही में लागू किये गए अचल संपत्ति विनियमन विकास अधिनियम (RERA) से भ्रष्टाचार को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा में मदद मिलेगी? (250 शब्द) 12.5

It is observed that real estate is one of the main domains of placing black money. Critically analyze that how recently adopted RERA (Real Estate Regulation and Development Act) will help in curbing corruption and protecting consumer rights. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भारत में अचल संपत्ति के बेनामी स्वरूप और संपत्ति के दामों में लगातार वृद्धि के कारण अचल संपत्ति काला धन खपाने के लिए मुख्य क्षेत्रों में से एक है। नोटबंदी के बाद नकद में काला धन रखने की प्रवृत्ति में भी स्वाभाविक कमी आएगी।

इस दृष्टि से अचल संपत्ति विनियमन विकास अधिनियम (RERA) द्वारा भ्रष्टाचार को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा में निम्न रूप से मदद मिलेगी।—

① नकद लेन में कमी। अब वैसे भी 2 लाख से अधिक लेने-देन नकदी में प्रतिबंधित।

② स्वतंत्र नियामकों की स्थापना।

③ 70% राशि अलग बैंक खाते में रखनी होगी। इससे धन को ट्रेस किया जा सकेगा।

प्रावधानों की स्पष्ट चर्चा करें।

रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण की स्थापना, रजिस्ट्रेशन का प्राधिकरण के पास कराना अनिवार्य

Copyright © Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(4) शिकायत निवारण प्रणाली।

(5) दण्ड व जुर्माने का प्रावधान। यदि विक्रेता या क्रेता दोनों में से कोई भी विक्रय-पत्र की शर्तों का उल्लंघन करता है।

(6) इस सेक्टर में पारदर्शी व्यवस्था की स्थापना होगी।

(7) कृत्रिम रूप से बढ़े दामों में कमी आएगी, जैसा कि नोटबंदी के बाद देखा गया है।

इन प्रयासों से 2022 तक सभी के लिए आवास मिशन को प्राप्त करने में अवश्य मदद मिलेगी।

प्रभावी निष्कर्ष दें।

विधेयक के कमियों का भी उल्लेख करें जैसे- • RERA प्रणाली में गबन करने वालों पर मौन है।

2

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	0.5	0.25			
Grade	B	C	D	C			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

9. अनुच्छेद 142, पूर्ण न्याय के नाम पर किसी भी मामले में हस्तक्षेप करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय को एक प्रभावकारी अधिकार प्रदान करता है। आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Article 142 provides Supreme Court a virtual license to intervene in any matter in the name of complete justice. Critically analyze. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अनुच्छेद 142 के अनुसार 'पूर्ण न्याय प्रदान करने के लिए, समक्ष आए किसी भी मामले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश और डिक्री संसद द्वारा विहित रीति से भारत के राज्यक्षेत्र में लागू होंगे।

स्पष्ट लिखें

इसके प्रयोग से दिए गए कुछ आदेश विवाद व चर्चा का विषय रहे हैं - जैसे

- राष्ट्रीय राजमार्ग से 500 मी० की दूरी तक शराब की दुकानों को बंद करना।
- पर्यावरण सम्बंधी मामलों में निर्देश।

कुछ अन्य निर्णयों का भी उल्लेख करें

सकारात्मक पक्ष

1. लोगों को पूर्ण न्याय मिलना
2. न्यायालय की सामाजिक जवाबदेही की भूमिका

विस्तार से लिखें।

नकारात्मक पक्ष

1. न्यायिक अतिसक्रियता
2. संसद व कार्यपालिका के कार्य में हस्तक्षेप

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

3. उन क्षेत्रों में न्यायालयों द्वारा आदेश देना जिनमें न्यायालय की विशेषज्ञता नहीं है।

4. एक विधि के अन्य सामाजिक प्रभावों को ध्यान में न रखना, जैसे - रोजगार, कानून व्यवस्था।

अतः न्यायालय को अनु० 142 द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग संसद द्वारा विहित रीति से और विधायिका व कार्यपालिका की सीमाओं व शक्तियों का सम्मान करते हुए करना चाहिए। यही लोकतंत्र की शक्ति का आधार है।

3

——— x ———

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1½	1	0.25	—	0.25	२
Grade	—	C	C	C	—	B	२

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

10. एक ऐसा देश जहाँ के अधिकांश नागरिक सरकार की नीतियों तथा सरकार के कामकाज को लेकर अनभिज्ञ हैं, वहीं विभिन्न सेवाओं को आधार से जोड़ना अनिवार्य कर देना मानसिक भ्रम की स्थिति उत्पन्न करेगा। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

A country in which most of its citizens are unaware of functioning of government and government policies; mandatory Aadhar card link to various services will create a trauma of confusion, analyze. (250 words) 12.5

हाल के एक सर्वेक्षण में भारत को अपनी सरकार पर भरोसे के लिहाज से पहला देश माना गया है। भारतीय जनता सरकार की नीतियों और कामकाज की जटिलताओं को भले ही न समझे पर वह लोककल्याणकारी नीतियों के प्रभाव के प्रति अत्यधिक संवेदनशील रही है।

प्रश्न के संदर्भ में प्रभावी भूमिका लिखें।

ऐसे में विभिन्न सेवाओं को आधार से जोड़ने से निम्न लाभ प्राप्त होंगे –

1. सब्सिडी युक्तिसंगत बनेगी। लीकेज में कमी
2. लक्ष्यार्थी तक सेवा की पहुँच।
3. सरकार को अपनी योजनाओं के विस्तार और प्रभाव का डेटा मिलेगा।
4. भ्रष्टाचार व धोखाधड़ी में कमी
5. सरकारी कर्मचारियों की सीमित भूमिका।
6. फुलप्रूफ होने के बाद सामाजिक योजनाओं में निजी क्षेत्र को शामिल किया जाता है।

डिजिटल लॉकर खोलना सम्भव

कर चोरी को रोकने में मदद

आदि की चर्चा करें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

हानियाँ

- निजता का हनन
- लोगों की तकनीकी तक पहुँच न होना।
- डेटा चोरी और साइबर सुरक्षा का खतरा।
- सरकार में सत्ताधारी दल की भूमिका पर निर्भरता ~~होना~~ बढ़ेगी।
- तानाशाही प्रवृत्तियों में ऐसा data संकेंद्रण मददगार सिद्ध हो सकता है।

अन्य हानियों को भी लिखे

ऐसे में यह अधिक उचित प्रतीत होता है कि डेटा संरक्षण के प्रावधान कर, निजता को सुरक्षित रखते हुए आधार के उपयोग को प्रारम्भ में उन्हीं क्षेत्रों तक सीमित रखकर देखा जाए, जहाँ तक सर्वोच्च न्याया० की अनुमति मिली है। तदुपरांत सुधारों के साथ इसका विस्तार अधिक विवेकपूर्ण होगा।

—— x ——

(4)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1	0.25	✗	0.25	✗
Grade	B	B	C	C	✗	B	✗

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

11. हाल ही में महिला श्रम बल भागीदारी को लेकर एनएसएस के आँकड़ों में प्रदर्शित किया गया है कि नगरीय क्षेत्रों में महिला श्रम बल की भागीदारी स्थिर हो रही है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में इसमें गिरावट आ रही है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Recent NSS data on women labour force participation has shown that women labour participation is stagnated in urban areas and sharply declining in the rural areas. Critically examine. (250 words) 12.5

उदारीकरण के बाद से महिला श्रम बल की भागीदारी बढ़ने की प्रवृत्ति देखी गई है। हाल के वर्षों में नगरीय क्षेत्र में महिला श्रम बल की भागीदारी स्थिर होने और ग्रामीण क्षेत्रों में गिरावट के निम्न कारण प्रदर्शित किए जा सकते हैं:-

1. रोजगार के कुल अवसरों में आ रही कमी - रोजगारविहीन संवृद्धि।
2. कम अवसर होने से पुरुषों द्वारा कठोर प्रतिस्पर्धा
3. सेवा क्षेत्र की संवृद्धि दर का पहले की तुलना में धीमा होना (वैश्विक कारणों से) (यहीं महिलाएं ज्यादा रोजगार प्राप्त करती थीं।
4. ग्रामीणों में तकनीक का बढ़ता प्रयोग, जिससे मानव श्रम बल की जरूरत कम पड़ रही है।
5. स्कूली शिक्षा और कौशल विकास की ओर

ग्रामीण क्षेत्रों में श्रम ग्रामीण में गिरावट एवं नगरीय क्षेत्रों में स्थिरता के कारणों का अलग-2 पैराग्राफ में लिखें।

जैसे - ग्रामीण क्षेत्र - कारणों में
• स्थानीय स्तर पर रोजगार का कमी
• कृषि तथा गैर कृषि कार्यों की अनुपलब्धता
• वेतन का असमान स्वरूप

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

बढ़ता रुझान।
रियल स्टेट सेक्टर में मंदी - निर्माण उद्योग धीमा।
इनमें से नकारात्मक कारणों के समाधान के लिए विनिर्माण क्षेत्र में अधिक से अधिक अवसर खोलने होंगे क्योंकि शिक्षित व कुशल लोगों की (पुरुषों सहित) सफलता का लाभ उठाकर ही भारत समावेशी विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।

अन्य प्रभावों को भी लिखें।
• गैर-कृषि कार्यों के सृजन की आवश्यकता
• सरकारी नीतियों द्वारा सामाजिक मलिनताओं को दूर करना आदि।

2

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	0.5	0.75	—	—	—
Grade	B	C	D	C	—	—	—

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

12. प्राचीन काल में धर्मनिरपेक्षता भारतीय समाज का महत्त्वपूर्ण विशेषता थी। हाल ही में धर्मनिरपेक्षता शब्द को समाचार माध्यमों में लगातार उछाला जाता रहा है। इस संदर्भ में वर्तमान परिदृश्य का विश्लेषण कीजिये, क्या भारत में धर्मनिरपेक्षता खतरे में है? चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

From ancient times secularism was essential feature of Indian society. Recently the term secularism was flaunted continuously in media news. Analyze the current scenario in this regard; is secularism in India at risk? Discuss. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पश्चिमी धर्मनिरपेक्षता से पृथक भारत में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ मोटे तौर पर 'सर्वधर्म समभाव' रहा है। अर्थात राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है और राज्य सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करेगा, अल्पसंख्यकों को सुरक्षा प्रदान करेगा और किसी विशेष धर्म की अभिवृद्धि के लिए प्रयास नहीं करेगा। (अनु० 25 से 30, अनु० 14, 15, 16)

प्राचीन समाज में धर्मनिरपेक्षता की विशेषताओं का उल्लेख करें।

वर्तमान परिदृश्य में कुछ मामलों में ऐसा देखा गया है कि धर्मनिरपेक्षता को नकारात्मक अर्थ में प्रस्तुत कर उसे अल्पसंख्यक तुष्टीकरण का समानार्थी बताया गया है। गोमांस, लव-जिहाद-विवाद जैसे मामलों में धर्मों के मानने वालों के बीच दूरियाँ बढ़ी है।

वास्तव में आर्थिक विकास के इस मुहाने पर भारत यह संकट मोल नहीं ले सकता।

'बीफ बैन' 'भीड़ दंड' आदि का उल्लेख करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत में धर्मनिरपेक्षता की जड़े अशोक के समय से लेकर गाँधी तक के प्रयासों से गहरे जमी है। अतः ऐसी घटनाओं से धर्मनिरपेक्षता खतरे में तो नहीं पड़ेगी पर विभाजनकारी शक्तियों को हवा जरूर मिलती है।

ऐसे में प्रारंभिक शिक्षा से लेकर संसद - न्यायपालिका तक को इसके लिए सतर्क व प्रयासरत रहना चाहिए, क्योंकि धर्मनिरपेक्षता आधुनिक व विविध भारत की मूलभूत शर्त है।

धर्म-निरपेक्षता को वर्तमान स्थिती को स्पष्ट करें।

निष्कर्ष को ——— X
प्रभावी लिखें।

3

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1½	1	0.25	—	—	—
Grade	B	C	C	C	—	—	—

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

13. भारत सरकार अपने नागरिकों की खाद्य-सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रही है लेकिन किसानों की सुरक्षा दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। खाद्य-सुरक्षा की चुनौतियों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये तथा किसानों की स्थिति में सुधार लाने के उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 12.5

Indian government is focusing on food security of its citizen but farmer's security deteriorating day by day. Critically examine challenges for food security and also mention suggestion for improvement of conditions of farmers. (250 words) 12.5

किसानों की स्थिति और खाद्य-सुरक्षा परस्पर निर्भर हैं। एक के बिना ज्यादा दिनों तक दूसरे की कल्पना नहीं की जा सकती है।

खाद्य-सुरक्षा की प्रमुख चुनौतियां

1. उत्पादकता में गिरावट
2. मानसून पर निर्भरता
3. खाद्य-प्रसंस्करण उद्योग का अभाव
4. विकसित देशों की खाद्य-नीतियां
5. लगातार छोटी होती जोतें
6. वृद्धिमान आबादी

इसीलिए सरकार ने दूसरी हरित क्रांति, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, नीम कोटेड यूरिया, सब्सिडी यौक्तिकीकरण, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसे प्रयास किए हैं।

इन प्रयासों के साथ-साथ किसानों की

किसानों की सुरक्षा क्यों आवश्यक है कारणों के साथ स्पष्ट चर्चा करें।

छोटे कृषि भूमि का स्थानांतरण, अक्षम परिवहन प्रणाली, अविकसित कृषि बैंकिंग सेवा का अभाव etc जैसे अन्य चुनौतियों को लिखें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

स्थिति में सुधार लाना भी जरूरी है जिसके लिए आवश्यक है कि -

- संस्थागत वित्त की पहुँच बढ़ाई जाए।
- न्यूनतम समर्थन मूल्यों का दायरा बढ़ाया जाए
- किसानों के प्रशिक्षण में सुधार।
- नकदी फसलों को क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार ही प्रोत्साहन दें।
- मिश्र शस्यन व पशुपालन को बढ़ावा।
- गाँवों में शिक्षा व स्वास्थ्य में निवेश बढ़े।
- कृषि में लगे अतिरिक्त श्रमबल के लिए उद्योगों में रोजगार के अवसरों का सृजन व क्षमता निर्माण।

उपरोक्त उपायों से हम अपने अन्नदाता किसान की स्थिति में सुधार भी लायेंगे और खाद्य-सुरक्षा भी सुनिश्चित करेंगे।

—— x ——

3½

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.35	1½	1	0.25	—	0.25	^.
Grade	B	C	C	C	—	B	(

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

14. भारत में एकल परिवार का प्रचलन संयुक्त परिवार से अधिक होता जा रहा है क्योंकि भारतीय समाज समूह की अपेक्षा व्यक्तिवाद की ओर अधिक आकर्षित हो रहा है। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Trends of nuclear family in India are more common than joint family as Indian society is heading towards more individualism than community. Discuss. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत में परम्परा से ही परिवार को समाज की इकाई के रूप में मान्यता मिली है परंतु पिछले कुछ दशकों में संयुक्त परिवार के स्थान पर एकल परिवार का प्रचलन बढ़ा है। वस्तुतः इस प्रवृत्तिगत बदलाव के पीछे समूह की अपेक्षा व्यक्तिवाद की ओर अधिक आकर्षण एक कारण है।

पर इस मूल्यगत संक्रमण के अतिरिक्त भी एकल परिवार की प्रवृत्ति के बढ़ने के निम्न कारण हैं:-

1. कार्य के विशेषीकरण से पलायन - गाँव शहर व विकसित क्षेत्रों की ओर।
2. शहरों में मँहगाई व छोटे आवास।
3. गाँवों में जमीनों की देखभाल के लिए किसी का रुकना।
4. पीढ़ीगत अंतराल

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(5) आधुनिक प्रवृत्तियों का प्रचलन

(6) निजी स्पेस की आकांक्षा

(7) दूर रहकर भी परिवार से सम्बंध रख पाने की तकनीक व सुविधाऐं बढ़ रही हैं।

(8) शहरी संस्कृति में सामूहिकता का अभाव।

(9) फ्लैट संस्कृति में एक दूसरे से मिलने-जुलने के कम अवसर।

संयुक्त परिवार का विघटन क्रमशः धीरे-धीरे हुआ है। जिससे बच्चों व वृद्धों पर विशेष नकारात्मक प्रभाव दिखे हैं। इसलिए आवश्यक है कि सरकार शहरों में कम से कम तीन पीढ़ियों के साथ में रहने की संस्कृति को प्रोत्साहन और बच्चों के लिए व वृद्धों के लिए विशेष कल्याणकारी उपाय अपनाए।

——— x ———

(5)

कारणों की और स्पष्ट चर्चा करें जैसे —
- विवाह व्यवस्था में परिवर्तन
- पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव
- महिलाओं का सशक्तिकरण
- संचार एवं परिवहन का प्रसार आदि।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0,75	2	1	0.25	x	0.25	✓
Grade	B	B	C	C	x	B	✓

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

15. हमारी शिक्षा प्रणाली बड़े राजनीतिक समुदाय के रूप में ग्रामीणों को एकीकृत करने में असफल रही है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Our education system has failed to integrate the rural into the larger political community. Comment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अक्सर कहा जाता है कि इस देश में 'ग्रामीण भारत' और 'शहरी इंडिया' साथ-साथ गतिमान हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली के वर्गीय चरित्र ने अभी तक इस भेदभाव को मिटाने के अभी तक तो कोई सराहनीय प्रयास नहीं किए हैं।

इससे विकास के अधिकांश अवसरों से ग्रामीण समाज वंचित रहा है। साथ ही साथ राजनीतिक चेतना के विकास में भी ग्रामीण समाज पिछड़ता गया है। आज स्थिति यह है कि संख्याबल में अधिक होने के बावजूद ग्रामीण भारत लोकतंत्र के लाभ प्राप्त करने में पीछे है।

यह कहना तो सही नहीं होगा कि ग्रामीण भारत राजनीतिक रूप से संगठित नहीं है अपितु सच यह है कि प्रगतिशील और आधुनिक शिक्षा के अभाव में आज में ग्रामीण भारत

भारत में शिक्षा प्रणाली की पहलुओं की चर्चा करते हुए यह स्पष्ट करें कि यह क्यों ग्रामीणों को एकीकृत करने में असफल रही।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में धर्म, जाति, मर्यादा, समुदाय का महत्त्व है और शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास, पर्यावरण पारिस्थिति जैसे मुद्दे परिदृश्य से ओझल है।

जिससे राजनीतिक एकीकरण का लाभ इन्हें वास्तविक अर्थ में नहीं मिल पाता। प्रगतिशील और आधुनिक शिक्षा के माध्यम से इस लक्ष्य को प्राप्त किया जाना सम्भव है।

वर्तमान संदर्भ में शिक्षा की वर्तमान महत्ता का उल्लेख करें।

2½

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	0.5	0.25	^	0.25	
Grade	B	C	D.	C		B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

16. यह माना जाता है कि विमुद्रीकरण नकदी-विहीन समाज को प्रेरणा देकर कल्याणकारी कार्यक्रमों को बढ़ावा देगा। विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों की विफलताओं की पृष्ठभूमि में इस कथन पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

It is believed that the demonetization will provide thrust to the welfare programmes by providing stimulus to cashless society. Discuss this statement in the backdrop of failures of various welfare programmes. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अनु॰ 38 और 39 में उल्लिखित कल्याणकारी राज्य के लक्ष्य की ओर भारत ने 1950 से ही यात्रा प्रारम्भ कर दी थी। पर इस क्षेत्र में प्रगति धीमी ही रही।

जैसे-जैसे हम नकदी-विहीन समाज की ओर बढ़ेंगे, वैसे-वैसे विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी और अधिक सफल बनाना सम्भव होगा। तकनीक के प्रयोग के प्रभाव निम्नवत होंगे

1. लीकेज में कमी - डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर लक्षित व्यक्ति तक सामान व सेवा की डिलीवरी।
3. भ्रष्टाचार व धोखाधड़ी में कमी।
4. सरकार को अपनी योजनाओं के प्रभाव की जानकारी
5. वित्तीय समावेशन - जन-धन योजना
6. जन-धन - आधार - मोबाइल मॉडल (JAM Trinity)

संक्षेप में भारत में कल्याणकारी योजनाओं की असफलता के कारणों को लिखें। अल्टीमेट आगामी लाभार्थियों की स्थिति

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

का इसी संदर्भ में उल्लेख किया गया था।

7. सरकारी अवसंरचना पर कम बोझ।

8. सरकार बाजार में हस्तक्षेप से बच सकेगी।

अन्य प्रभावों को लिखें। ↓ ·आयाती लाभार्थियों के उन्मूलन से सरकारी खर्चे का विवेकपूर्ण उपयोग

निष्कर्ष ?

——×——

3

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0·25	1½	1	0·25			
Grade	B	C	C	D			

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

18. किसानों की कृषि ऋण माफी केवल अस्थायी राहत है। उक्त कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये तथा किसानों की स्थिति को सुधारने हेतु उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 12.5

Waiving off farm loans is only temporary relief to the farmers. Critically examine above statement and give your suggestions for improving conditions of farmers. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

किसानों की कृषि ऋण माफी वस्तुतः बीमारी के कारणों का नहीं अपितु बीमारी के लक्षणों का उपचार करने जैसा है। यद्यपि समस्या गहन होने पर ऋण माफी की भी जरूरत होती है परन्तु किसानों की स्थिति सुधारने के लिए और दुबारा ऋण माफी की जरूरत न पड़ने देने के लिए आवश्यक है कि -

सरकार कृषकों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य पर तीव्र कार्य प्रारम्भ करें।

कृषि क्षेत्र की योजनाओं जैसे मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधा. कृषि सिंचाई यो. प्र. फसल बीमा योजना की विशेष मॉनीटरिंग।

3. संस्थागत वित्त की पहुँच बढ़ाई जाए

4. न्यूनतम समर्थन मूल्यों का दायरा बढ़े

8. किसानों को प्रशिक्षण

कृषि ऋण माफी के सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्षों की भी चर्चा करें। तब सुझावों की चर्चा करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

6. कृषि पर बोझ कम कर उद्योगों में रोजगार।

7. मिश्र शस्यन और पशुपालन

2

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0·25	1	0·5	0·25	—	—	
Grade	B	C	D	C	—	—	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. उपभोक्ता संरक्षण विधेयक 2015; उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 का स्थान लेगा, इन दोनों की तुलना कीजिये तथा इनमें वैषम्यता दर्शाइये। (250 शब्द) 12.5

The Consumer Protection Bill, 2015 will replace the Consumer Protection Act, 1986, compare and contrast both. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

नवीन ~~अधि~~ विधेयक का प्रभाव

नियामक की व्यवस्था
शिकायत निवारण प्रणाली
उपभोक्ता अधिकारों पर ज़ोर

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

(b) उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) विधेयक, 2015 का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। 6.5

Critically examine the Transgender Persons (Protection of Rights) Bill, 2016. 6.5

विशेषता

- तृतीय लिंग को मान्यता
- पिछड़े वर्ग के समान आरक्षण
- निजता, गरिमा का अधिकार
- उभयलिंगी व्यक्ति को सार्व. स्थान
- परिवार के रहने का अधिकार

1/2

विस्तार से लिखें

उत्तर अपूर्ण है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	0.5	—				
Grade	—	B	—				

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों नें छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation